

‘राम’यह शब्द जितना सरल है उतना ही सौम्य है, परन्तु इस नाम पर इस चरित्र पर लिख पाना उतना ही कठिन है। कठिन इसलिए क्योंकि जो राम को समझ सकता है वही राम को लिख सकता है, बाबा गोस्वामी तुलसीदासजी के बाद अनेक लोगों ने अपने-अपने दृष्टिकोण से राम को देखा-समझा और लिखा है-इसी कड़ी में वर्तमान साहित्यकारों द्वारा प्रभु श्री राम पर लिखी हुई कविताओं का संग्रह है "राम से राम तक" । यह पुस्तक एक यात्रा है..22 कवियों की "राम-यात्रा" आप भी इस यात्रा में सम्मिलित होकर अपने राम की आराधना कर सकते हैं।